ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 02-04-2026

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-04-02 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-04-03	2026-04-04	2026-04-05	2026-04-06	2026-04-07
वर्षा (मिमी)	0.0	0.1	0.4	0.9	0.8
अधिकतम तापमान(से.)	40.0	40.2	40.1	38.2	37.4
न्यूनतम तापमान(से.)	26.1	27.7	26.6	25.4	24.8
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	41	37	38	46	53
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	16	15	15	15	16
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.3	7.0	10.3	15.9	10.1
पवन दिशा (डिग्री)	257	258	295	303	266
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	3	3	4	3
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहेंगे और बारिश की संभावना है। तापमान घटने की संभावना है और हवा की गति सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

गरज और बिजली, तूफ़ान वगैरह; तेज़ सतही हवाएँ

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

फसलों का गिरना, फलों का झड़ना, और सब्जियों तथा तिलहनों जैसी फसलों में रोगों का प्रकोप।

सामान्य सलाहकार:

बारिश की संभावना को देखते हुए, किसानों को पकी हुई फसलों की कटाई टाल दे, यदि कटाई पहले ही हो चुकी है, तो कटी हुई फसलों को किसी सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें। बारिश तथा तेज़ हवाएं चलने की संभावना को देखते हुए अगर फसलों को नुक्सान पहुंचे तो छतिग्रस्त फसलों मे 2% यूरिया का छिड़काव करें। वर्षा के पश्चात फफूंद रोगों की संभावना रहती है अत: बीमारी की निगरानी रखें। आने वाले दिनों में किसी भी प्रकार का छिड़काव ना करें। खड़े फसलों में खरोटवार नियंत्रण हेतु निकाई - गुड़ाई करें तथा आवश्यक हो तो सिचाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

लत्तर वाली सब्जियों जैसे खीरा, ककड़ी, कद्दू, कदीमा आदि में जिनका बढ़वार ज्यादा हो गया हो, उसमें झांकी लगा दें, जिससे पत्तियों एवं फलों का संपर्क सीधे मिट्टी से नहीं हो सके।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	अप्रैल के पहले हफ्ते में तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा और धीरे-धीरे बढ़ेगा। उच्च तापमान और उसके बाद रुक-रुक कर होने वाली गरज के साथ बौछारें ब्राउन प्लांट हॉपर के संक्रमण को बढ़ाने में सहायक होंगी। यदि बीपीएच का संक्रमण आर्थिक सीमा स्तर (5-10 हॉपर/हिल) से अधिक है, तो वैकल्पिक रूप से गीला और सुखाने की तकनीक द्वारा धान के पौधे की सूक्ष्म जलवायु को बदलने की सलाह दी जाती है (लंबे समय तक पानी खड़ा नहीं होना चाहिए)। यदि समस्या बनी रहती है, तो एज़ाडिरेक्टिन 0.15% नीम बीज फॉर्मूलेशन @ 800 मिलीलीटर को 200 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ में छिड़काव करें।
मक्का	मक्का के खेत में, फसल के मौसम की शुरुआत में प्रति एकड़ 10 की दर से उचित आकार के बांस के खंभे लगाए गए, ताकि पक्षियों को बैठने की जगह मिल सके और वे आसानी से इल्लियों को खा सकें।
ज्वार	पशुओं के खाने के लिए चारे वाली फसल लगाने हेतु सिंचित क्षेत्रों में ज्वार का बुवाई करें जिसमें 40 प्रतिशत प्रोटीन की मात्रा रहती है। ज्वार लिए प्रभेद रियो 988, पुसाचरी-615 एवं हरा सोना का चुनाव करें। बुवाई हेतु बीज दर 16-18 किलोग्राम प्रति एकड़ रखें। बुवाई से पूर्व बीजों को फफूँदनाशक थाइरम 75% डब्ल्यू. पी. @ 1 से 1.5 ग्राम प्रति किलो बीज के दर से उपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	बैगन के फसल में तना एवं फल छेदक कीड़ों से बचाव फेरोमोन ट्रैप लगवाकर बिना रासायनिक दवाओं के किया जा सकता है। एक एकड़ में 4-5 फेरोमोन ट्रैप लगाने की अनुशंसा की जाती है| अगर फसल में फल सड़न एवं पत्ती का धब्बा रोग का आक्रमण हो रहा हो तो ग्रसित पत्तियों को तोड़ लें तथा फफूंदीनाशी दवा मैनकोज़ेब का छिड़काव 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से करें।
टमाटर	बारिश के बाद टमाटर के खेतों में बैक्टीरियल विल्ट (जीवाणु जनित मुरझान) की समस्या हो सकती है। इसे नियंत्रित करने के लिए, कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (3 ग्राम) और प्लांटोमाइसिन (1 ग्राम) को प्रति लीटर पानी में मिलाकर पौधों की जड़ों में डालें।
आम	वर्तमान मौसम की स्थिति में आम के कीट एवं रोग बरसात के साथ धूल गए हैं। अत: किसान भाई किसी भी तरह का छिड़काव करने से पहले आम की फलों में सतत निगरानी रखें। अगर आम में फुदका कीट के प्रकोप दिखाई दे तो फॉस्फैमिडोन 40 % एस. एल. @ 0.5 मिली/ली या डाइमेथोएट 30% ई. सी. @ 2 मिली/ली का छिड़काव फूलों की प्रारंभिक अवस्था के दौरान करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशु चिकित्सक से परामर्श के बाद पशुओं में खुरपका-मुंहपका रोग के विरुद्ध टीकाकरण अवश्य कराएं।

मछली पालन विशिष्ट सलाह:

मछली पालन	मछली पालन विशिष्ट सलाह
आम सीएआरपी	तालाब में मछलियों के लिए प्राकृतिक भोजन का समुचित उपाय करने के लिए मवेशी का गोबर एवं बुझा चूना का प्रयोग करें। गोबर की खाद को तालाब में किसी एक किनारे में ही डालें। मछलियों को उपरी आहार भी देना शुरू कर दें। इसके लिए चावल का कुन्दा एवं सरसों की खली को मिलाकर (दोनों 5-5 किलोग्राम प्रति दिन प्रति एकड़ की दर से) प्रयोग करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	कद्दूवर्गीय फसलों में लाल कद्दू भृंग (Red Pumpkin Beetle) को नियंत्रित करने के लिए, क्यनट्रेनिलीप्रोल 10.26% OD का 400 मिलीलीटर/एकड़, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL का 60 मिलीलीटर/एकड़, या क्लोरोपायरीफोस 20% EC का 400 मिलीलीटर/एकड़ की दर से छिड़काव करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

फसलों का गिरना, फलों का झड़ना, और सब्जियों तथा तिलहनों जैसी फसलों में रोगों का प्रकोप।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

परिपक्व फसलों की कटाई करें और उन्हें सुरक्षित जगह पर रखें।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details